UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education
Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI **8687/02**
9687/02

Paper 2 Reading and Writing

October/November 2006

1 hour 45 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer **all** questions.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are not permitted.
You should keep to any word limits given in the questions.

At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

पहले नीचे दिए निर्देश पढ़िए

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी जाती है तो उसके पहले पृष्ठ के निर्देशों का पालन करें।
परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर केन्द्र संख्या,छात्र संख्या और अपना नाम लिखें।
गहरी नीली या काली स्याही वाली कलम से कागज के दोनों ओर लिखें।
स्टेप्लर, पेपर क्लिप, हाइलाइटर, गोंद या करेक्शन-फ़्लुइड का प्रयोग न करें।
शब्दकोष का प्रयोग मना है।

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
दी गई उत्तर-पुस्तिका में अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें।
उत्तर, प्रश्नों में दिए गए शब्दों की संख्या तक ही सीमित रखें।
परीक्षा के अंत में अपना सब काम सुरक्षित रूप से एक साथ बाँध दें।
प्रत्येक प्रश्न या प्रश्न-अंश के अंत में उसके निर्धारित अंक कोष्ठकों [ ] में दिए गए हैं।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

SP (SLM/TL) T18244/2
© UCLES 2006
UNIVERSITY of CAMBRIDGE International Examinations

भाग 1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भूकम्प

26 जनवरी 2001 की सुबह गुजरात में एक विनाश लेकर आई, जहां इस गणतन्त्र दिवस के दिन आतंकवादी गुटों की चेतावनी और आक्रमणों से जूझने के लिए भारतवर्ष सावधान और सुरक्षा की दृष्टि से तत्पर था, वहीं इस प्राकृतिक विनाश से पूर्णतः अनभिज्ञ था। यह भूकम्प इतना तेज़ था कि इसके कम्पन कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक अनुभव किए गए। इसका रिक्टर- स्केल- माप 7.6 मापा गया। इसमें कम से कम 20,000 लोगों के मरने की सूचना घोषित हुई। 50,000 घायलों को अस्पतालों में भरती किया गया और लाखों लोग बेघर हुए तथा 400 बच्चे मारे गए। भूकम्प की विभीषिका ने एक बार फिर से उथल-पुथल मचा दी।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि भूकम्प का केन्द्र भुज से 20 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इस भूकम्प का सबसे अधिक कुप्रभाव जामनगर, सूरत, राजकोट व अहमदाबाद पर पड़ा। बहुमंजिली इमारतें ध्वस्त पड़ी थीं, कुछ अधर में झूल रही थीं, बीच में से फट गई थीं या ढह गई थीं और उनमें जीवित अथवा मृत लोग फंसे पड़े थे। बिजली, टेलीफोन, रेलवे तथा वायुसेना को भी क्षति पहुँची। ऐसे में जनता का विभिन्न संस्थाओं के साथ कदम से कदम मिला कर सहायता करने का अटूट प्रयास सराहनीय रहा।

पिछले पांच महीनों (अगस्त से जनवरी) में भूकम्प के दस झटके भारत के विभिन्न प्रांतों में आए। यद्यपि भूकम्प का दिन व समय निश्चित रूप से निर्धारित करना असम्भव है किन्तु इतना पूर्वानुमान अवश्य लगाया जा सकता है कि अमुक क्षेत्र में भूकम्प आने की सम्भावना है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारतीय भू-भाग पांच सेंटीमीटर प्रति वर्ष की गति से हिमालय की ओर आगे बढ़ रहा है जिसके कारण कुछ स्थानों पर भूमि के भीतर एक प्रकार का दबाव बनता है और इस उर्जा का उत्सर्जन भूकम्प के रूप में सामने आ जाता है।

गढ़वाल नामक शहर के भूकम्प पर अनुसंधान कर रहे भू-वैज्ञानिकों ने, भारत के पश्चिमी तट तथा अति सम्वेदनशील भूकम्पीय क्षेत्र अहमदाबाद व अरावली संभाग में भीषण भूकम्प आने की सम्भावना के विषय पर चिन्ता व्यक्त की थी। वैसे वैज्ञानिकों ने भूकम्प से पहले पशु-पक्षियों के व्यवहार में बदलाव तथा बेचैनी देखी है। इसके अतिरिक्त पहाड़ी क्षेत्रों में यह भी देखा गया है कि भूकम्प से पूर्व झरनों का पानी सफेद हो जाता है।
यह ठीक है कि इस प्राकृतिक प्रकोप से बचना कठिन है परन्तु गृह-निर्माण में, हल्के उपकरणों उदाहरणतः हल्की ईंट, बांस और लकड़ी का प्रयोग करने से जान-माल की हानि में अपेक्षाकृत कमी हो सकती है।

1 नीचे दी गई प्रत्येक परिभाषा के लिए उपरोक्त अनुच्छेद से उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : भय पैदा करने वाला (para. 1)
उत्तर : आतंकवादी

(a) जिसे इसके विषय में कोई जानकारी न हो	(para. 1)	[1]
(b) भय पैदा करने वाला ख़तरा	(para. 1)	[1]
(c) नुकसान पहुँचाने वाली	(para. 2)	[1]
(d) निर्णायक तत्व देना या तय करना	(para. 3)	[1]
(e) तथ्यों की खोज के लिए किया गया वैज्ञानिक अध्ययन	(para. 4)	[1]

[पूर्णांक : 5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द या उक्ति का प्रयोग करते हुए अपने शब्दों में ऐसे वाक्य बनाइए जिससे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : सराहनीय (para. 2)

उत्तर : आपने विश्व में दरिद्रता मिटाने का जो संकल्प किया है वह सराहनीय है।

(a) उथल-पुथल	(para. 1)	[1]
(b) कदम से कदम मिलाना	(para. 2)	[1]
(c) पूर्वानुमान	(para. 3)	[1]
(d) अति सम्वेदनशील	(para. 4)	[1]
(e) उपकरण	(para. 4)	[1]

[पूर्णांक : 5]

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करके, अपने शब्दों में दीजिए।

(प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।)

[पूर्णांक : 15 + 5 = 20]

(a) गणतन्त्र दिवस पर भारतवर्ष को किस चीज़ के लिए तैयार होना पड़ा और क्यों ? [3]

(b) गुजरात में अचानक क्या हुआ तथा इसकी गति कितनी भयंकर थी ? [3]

(c) भूकम्प आने की सूचना जिस प्रकार से प्रकृति हमें देती है उस पर प्रकाश डालिए। [2]

(d) विपदाग्रस्त जनता पर पड़े इस भूकम्प के तात्कालिक प्रभाव का वर्णन कीजिए। [5]

(e) भविष्य में अधिक भूकम्प आने वाले क्षेत्रों में क्या करने का परामर्श दिया गया है और क्यों ? [2]

[पूर्णांक : 20]

भाग 2

अब द्वितीय गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सुनामी

आज से सात वर्ष पूर्व 1997 में संयुक्त-राष्ट्र द्वारा 'पृथ्वी की समस्याओं' के समाधान के लिए एक शिखर-सम्मेलन (अर्थ-समिट) का आयोजन किया गया था। मालदीव के राष्ट्रपति ने इस सम्मेलन में चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि यदि पृथ्वी के तापमान को बढ़ने से नहीं रोका गया तो भविष्य में होने वाले ऐसे सम्मेलन में मालदीव का कोई भी व्यक्ति, देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए जीवित नहीं होगा। तापमान के बढ़ने से समुद्र के जल-स्तर में हो रही वृद्धि के कारण, हिन्द महासागर में बसा हुआ यह द्वीप-राष्ट्र डूबने के कगार पर पहुँच चुका है। रविवार 26 दिसम्बर 2004 की सुबह समुद्र-तल में, भीषण भूकम्प से उठी सुनामी लहरों ने मालदीव की राजधानी का दो तिहाई हिस्सा डुबो दिया। इसके अतिरिक्त श्री लंका, इंडोनेशिया, थाईलैंड व दक्षिण-पूर्वी भारत, अंडमान-निकोबार द्वीप समूहों में भी दस मीटर ऊँची सुनामी लहरों ने तबाही मचा दी।

भूकम्पों की बढ़ती विनाशलीला से विश्व पहले से ही आतंकित था और अब समुद्र में भूकम्प तथा उससे उठने वाले तूफ़ान की शुरूआत ने इस आतंक को आसन्न संकट में परिवर्तित कर दिया है। चेतावनियाँ कई बार दी गईं, अनेक बार विश्व स्तर पर परामर्श दिए गए कि औद्यौगीकरण की दौड़ में पर्यावरण को न भूलें परन्तु इन चेतावनियों व परामर्शों का प्रभाव शायद ही कभी इतनी गहराई में दिखाई दिया हो। 129 राष्ट्रों ने क्योटो-संधि को अगले वर्ष अर्थात फरवरी 2005 से लागू करने का निर्णय लिया है। यह फ़ैसला पर्यावरण को भेद रही 'ग्रीन हाउस गैसों' को कम करने के प्रयासों पर केन्द्रित है। लेकिन जब तक इन गैसों का सर्वाधिक उत्सर्ज कर रहे प्रगतिशील देश साथ नहीं देंगे तब तक प्रकृति के विनाश को रोकने के सार्थक प्रयत्न सम्भव नहीं हैं।

अभी तक ऐसा कोई तंत्र या प्रणाली नहीं बनी है जो इस प्रकार के ख़तरे की पूर्व सूचना दे सके। हालाँकि प्रकृति इसके संकेत पिछले कुछ वर्षों से देती आ रही है। 1940 के बाद से आर्जन्टीना की राजधानी में बर्फ़ नहीं गिरी है। व्हैल और डॉल्फ़िन जैसे समुद्री जीव-जन्तुओं के मरने की गति तापमान-वृद्धि के साथ बढ़ती जा रही है। पक्षियों की एक हज़ार से अधिक प्रजातियों के विलुप्त होने की आकांक्षा है। हॉलैंड में फूलों का पराग समय से पहले आ जाने, बोस्टन के क्षेत्रों में पेड़ों पर समय से पहले फूल आने, भारत जैसे देशों में गर्मियों का तापमान बढ़ने तथा वर्षा कम होने जैसे लक्षण जिस गम्भीर भय की तरफ संकेत करते आ रहे हैं वह ख़तरा अब हमारे सम्मुख आ गया प्रतीत होता है। उत्तरी ध्रुव में, पिछले सौ वर्षों में 40 प्रतिशत बर्फ़ पिघलकर समुद्र में पहुँच चुकी है। पिछली शताब्दी में समुद्र का जल स्तर दस से पच्चीस सेंटीमीटर उठ चुका है। यह जल स्तर एक मीटर तक बढ़ सकता है। अनुमान है कि मौसम के इस मिज़ाज परिवर्तन से प्रत्येक वर्ष नौ सौ अरब डॉलर से अधिक की हानि होने की सम्भावना है।

यह चेतावनी वर्षों पहले दी जा चुकी थी कि जलवायु परिवर्तन से समुद्री तूफ़ान उठेंगे, महाजलप्लावन की आशंका बनेगी। अब पृथ्वी का तापमान 15 डिग्री सेल्सिअस से बढ़कर 15.32 हो चुका है। हर साल यह तापमान 0.3 से 0.7 डिग्री की रफ़्तार से बढ़ रहा है। न जाने मानव इस तथ्य को कब स्वीकार करेगा कि पर्यावरण के साथ किया गया दुराचार विनाश है विकास नहीं।

© UCLES 2006

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करके, अपने शब्दों में दीजिए ।(प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।)

[पूर्णांक : 15 + 5 = 20]

(a) मालदीव के राष्ट्रपति ने, सम्मेलन में,किस चिंतनीय समस्या को प्रस्तुत किया और क्यों ? [3]

(b) समुद्र व जीव-जन्तुओं पर पड़े जलवायु-परिवर्तन के प्रभाव का वर्णन कीजिए। [3]

(c) तापमान किस गति से बढ़ रहा है तथा इसका पेड़-पौधों पर क्या असर हो रहा है ? [2]

(d) सुनामी लहरों की भीषणता व इसके प्रभाव पर प्रकाश डालिए। [3]

(e) क्योटो संधि का समर्थन कितने देशों ने किया तथा इस में क्या निश्चय किया गया? [4]

[पूर्णांक : 20]

5 (a) उपरोक्त दोनों अनुच्छेदों में लिखी विपदाओं की समानता व विषमता का उदाहरण सहित विवरण दीजिए। [10]

(b) उपरोक्त दोनों अनुच्छेदों की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए लिखिए कि आपके विचार से इन प्राकृतिक प्रकोपों से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए ? [5]

इन दोनों प्रश्नों के उत्तर 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए।

[भाषा और शैली: 5]

[पूर्णांक : 20]

© UCLES 2006

BLANK PAGE

BLANK PAGE

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.